पंजाब केसरी
SAT,04 APRIL 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

परीक्षाओं के मूल्यांकन पर बोर्ड का पहरा सख्त

हाईटैक रूम से खुद अध्यक्ष ने रखी नजर

धर्मशाला, 3 अप्रैल (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं की कॉपियों को जांचने (मूल्यांकन) का काम शुरू हो गया है।

इस पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और बिना किसी गलती के पूरा करने के लिए बोर्ड प्रशासन सख्त है।

मूल्यांकन के पहले ही दिन बोर्ड अध्यक्ष ने खुद कमान संभाली और जिला मुख्यालय में बने हाईटैक सर्विलांस रूम से प्रदेशभर के केंद्रों का औचक ऑनलाइन निरीक्षण किया। उन्होंने कम्प्यूटर स्क्रीन पर केंद्रों की 'लाइव' गतिविधियों को देखा और वहां तैनात स्टाफ से सीधे बातचीत भी की।

बोर्ड अध्यक्ष ने शिक्षकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि कॉपियां पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और तय समय के भीतर जांची जाएं।

बोर्ड मुख्यालय से हर केंद्र की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है, ताकि गोपनीयता बनी रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

> मूल्यांकन में लापरवाही के लिए कोई जगह नहीं है। लाइव सर्विलांस के जरिए हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर उत्तर पुस्तिका को जांचने में पूरी गंभीरता बरती जाए, जिससे छात्रों को उनकी योग्यता के अनुरूप सटीक अंक मिल सकें। छात्रों का भविष्य हमारी प्राथमिकता है।
>
> कॉपियां जांचने के कार्य में मानवीय गलती की गुंजाइश को खत्म करने के लिए हम डिजिटल मॉनीटरिंग का सहारा ले रहे हैं। – **डॉ. राजेश शर्मा**, अध्यक्ष, हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड

Anant Gyan 04-04-2026

बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन में 'डिजिटल पहरा'

अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने पहले दिन सर्विलांस रूम से किया औचक निरीक्षण

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य को पूरी तरह से निष्पक्ष और त्रुटिरहित बनाने के लिए बोर्ड प्रशासन एक्शन मोड में नजर आ रहा है। उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के पहले ही दिन बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए विभिन्न मूल्यांकन केंद्रों का सघन निरीक्षण किया।

सर्विलांस रूम से निरीक्षण करते राजेश शर्मा। अनंत ज्ञान

तकनीक का प्रभावी उपयोग करते हुए डॉ. शर्मा ने बोर्ड मुख्यालय स्थित हाइटेक सर्विलांस कक्ष से ऑनलाइन माध्यम के जरिए प्रदेशभर के केंद्रों की गतिविधियों को परखा। इस दौरान उन्होंने न केवल प्रक्रिया का जायजा लिया, बल्कि डिजिटल माध्यम से ही मूल्यांकन कार्य में तैनात शिक्षकों और बोर्ड कर्मचारियों से सीधा संवाद कर धरातल की स्थिति जानी।

गोपनीयता से कोई समझौता नहीं: निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने अधिकारियों और शिक्षकों को स्पष्ट संदेश दिया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और गोपनीयता सर्वोपरि है। उन्होंने निर्देश दिए कि शिक्षक अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करें ताकि किसी भी छात्र के साथ अन्याय न हो। निर्धारित समय सीमा के भीतर त्रुटिरहित मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाए। बोर्ड मुख्यालय से हर केंद्र की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की कोताही की गुंजाइश न रहे।

बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि बोर्ड मूल्यांकन कार्य को पूरी तरह पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी डिजिटल निगरानी टीम हर केंद्र पर पैनी नजर रख रही है ताकि संपूर्ण प्रक्रिया सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

तैयारी हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड का 1.75 लाख छात्रों का परिणाम समय पर जारी करने का लक्ष्य

10वीं-12वीं का रिजल्ट 30 अप्रैल तक, मूल्यांकन प्रक्रिया तेज

41 केंद्रों पर 5030 शिक्षक जुटे, दो चरणों में होगी कॉपियों की जांच

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला,3 अप्रैल : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने इस वर्ष 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम समय पर घोषित करने के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा के अनुसार, दोनों कक्षाओं के परिणाम 30 अप्रैल तक घोषित किए जाने की योजना है। इसके लिए उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को व्यवस्थित और चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की देरी से बचा जा सके। इसके लिए बोर्ड द्वारा पूरे प्रदेश में 41 मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां करीब 5030 शिक्षक उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में जुटे हुए हैं। इस वर्ष लगभग 1,75,000 परीक्षार्थियों की कॉपियां जांची जानी हैं, जो एक बड़ी जिम्मेदारी है। इस कार्य को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया को दो चरणों में विभाजित किया गया है। पहले चरण की शुरुआत 2 अप्रैल से हो चुकी है, जो 15 अप्रैल तक चलेगा। इस चरण में 12वीं कक्षा के मुख्य विषयों जैसे संस्कृत, अंग्रेजी, इकोनॉमिक्स, फिजिक्स, हिंदी, अकाउंटेंसी और बायोलॉजी की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की जा रही है। वहीं 10वीं कक्षा के प्रमुख विषयों—अंग्रेजी, हिंदी, गणित और विज्ञान—की कॉपियां भी इसी चरण में जांची जा रही हैं। बोर्ड ने यह सुनिश्चित किया है कि मुख्य विषयों की जांच पहले पूरी हो, ताकि परिणाम तैयार करने में आसानी हो। दूसरा चरण 16 अप्रैल से शुरू होगा, जिसमें शेष माइनर विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। बोर्ड का लक्ष्य है कि दोनों चरणों का कार्य समय से पहले पूरा कर लिया जाए, ताकि 30 अप्रैल से पहले ही परिणाम घोषित किए जा सकें। बोर्ड प्रशासन का मानना है कि समय पर परिणाम घोषित करना छात्रों के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे छात्र बिना किसी देरी के अगली कक्षा में प्रवेश ले सकेंगे और अपने करियर की दिशा तय कर पाएंगे। विशेष रूप से 12वीं के छात्रों के लिए यह समय काफी अहम होता है, क्योंकि उन्हें उच्च शिक्षा के लिए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में आवेदन करना होता है।

5030 शिक्षक चेक कर रहे छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं

इस साल 10वीं कक्षा में 93,602 और 12वीं कक्षा में 81,411 नियमित परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी है। इतनी बड़ी संख्या में कॉपियों की जांच के लिए अतिरिक्त शिक्षकों की भी नियुक्ति की गई है। जानकारी के अनुसार, 10वीं कक्षा की कॉपियों की जांच के लिए 2900 शिक्षकों को लगाया गया है, जबकि 12वीं कक्षा के लिए 2130 शिक्षकों की ड्यूटी निर्धारित की गई है।

10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम 30 अप्रैल तक घोषित किए जाने की योजना है। इसके लिए उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को व्यवस्थित और चरणबद्ध तरीके से संचालित किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की देरी से बचा जा सके। इसके लिए बोर्ड द्वारा पूरे प्रदेश में 41 मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां करीब 5030 शिक्षक उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में जुटे हुए हैं। इस वर्ष लगभग 1,75,000 परीक्षार्थियों की कॉपियां जांची जानी हैं

(डा. राजेश शर्मा, चेयरमैन, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला)

Apka Faisla 04-04-2026

बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन में 'डिजिटल पहरा', अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने खुद संभाली कमान

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य को पूरी तरह से निष्पक्ष और त्रुटिरहित बनाने के लिए बोर्ड प्रशासन एक्शन मोड में नजर आ रहा है। उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के पहले ही दिन बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए विभिन्न मूल्यांकन केंद्रों का सघन निरीक्षण किया।

प्रथम दिन सर्विलांस रूम से हुआ औचक निरीक्षण

वहीं, डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि बोर्ड मूल्यांकन कार्य को पूरी तरह पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी डिजिटल निगरानी टीम हर केंद्र पर पैनी नजर रख रही है ताकि संपूर्ण प्रक्रिया सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सके। इस कड़े रुख से बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षाओं के बाद अब परीक्षा परिणामों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

सर्विलांस रूम से लाइव निगरानी

तकनीक का प्रभावी उपयोग करते हुए डॉ. शर्मा ने बोर्ड मुख्यालय स्थित हाइ-टेक सर्विलांस कक्ष से ऑनलाइन माध्यम के जरिए प्रदेशभर के केंद्रों की गतिविधियों को परखा। इस दौरान उन्होंने न केवल प्रक्रिया का जायजा लिया, बल्कि डिजिटल माध्यम से ही मूल्यांकन कार्य में तैनात शिक्षकों और बोर्ड कर्मचारियों से सीधा संवाद कर धरातल की स्थिति जानी।

गोपनीयता से कोई समझौता नहीं

निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने अधिकारियों और शिक्षकों को स्पष्ट संदेश दिया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और गोपनीयता सर्वोपरि है। उन्होंने निर्देश दिए कि ईमानदारी और निष्पक्षता- शिक्षक अपने कर्तव्य का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करें ताकि किसी भी छात्र के साथ अन्याय न हो। निर्धारित समय सीमा के भीतर त्रुटिरहित मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाए। बोर्ड मुख्यालय से हर केंद्र की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की कोताही की गुंजाइश न रहे।

Divya Himachal
04-04-2026

मूल्यांकन केंद्रों में डिजिटल पहरा

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य को पूरी तरह से निष्पक्ष और त्रुटिरहित बनाने के लिए बोर्ड प्रशासन एक्शन मोड में नजर आ रहा है। उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के पहले ही दिन बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए विभिन्न मूल्यांकन केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। डा. शर्मा ने बोर्ड मुख्यालय स्थित हाई-टेक सर्विलांस कक्ष से ऑनलाइन माध्यम के जरिए प्रदेशभर के केंद्रों की गतिविधियों को परखा। इस दौरान उन्होंने न केवल प्रक्रिया का जायजा लिया, बल्कि डिजिटल माध्यम से ही मूल्यांकन कार्य में तैनात शिक्षकों और बोर्ड कर्मचारियों से सीधा संवाद कर धरातल की स्थिति जानी।

Strict Directives Issued for Transparency and Confidentiality in Board Exam Evaluation

Intensive Inspections Conducted at Various Evaluation Centers

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA APR 3 : Dharamsala. The Himachal Pradesh Board of School Education administration appears to be in "action mode" to ensure that the evaluation process for its examinations is entirely impartial and error-free. On the very first day of the answer sheet evaluation, Board Chairman Dr. Rajesh Sharma personally took charge, conducting intensive inspections of various evaluation centers. Making effective use of technology, Dr. Sharma monitored the activities of centers across the state via an online medium from the high-tech surveillance room located at the Board headquarters. During this exercise, he not only took stock of the procedures but also engaged in direct dialogue—via digital channels—with the teachers and Board employees deployed for the evaluation work, thereby gaining firsthand insight into the ground reality. During the inspection, Dr. Sharma conveyed a clear message to officials and teachers: transparency and confidentiality are paramount in the evaluation process. He issued the following directives:

Honesty and Impartiality: Teachers must discharge their duties with absolute honesty to ensure that no injustice is done to any student. The Board is committed to making the evaluation process completely transparent and accurate. Our digital surveillance team is keeping a vigilant watch over every center to ensure that the entire process is conducted smoothly and securely. Through this firm stance, Dr. Rajesh Sharma and the Board have made it clear that, following the examinations themselves, a "zero-tolerance" policy is now being adopted to ensure the accuracy of the examination results.

04 APRIL , 2026 SATURDAY Dharamshala

The Sunny Times

CHAIRMAN DR. RAJESH SHARMA TAKES COMMAND OF STATEWIDE EVALUATION

Sunny Mahajan | Dharamshala

The Himachal Pradesh Board of School Education has officially shifted into high gear, launching a rigorous "Action Mode" strategy to ensure that the evaluation of answer sheets remains beyond reproach. Under the direct leadership of Chairman Dr. Rajesh Sharma, the board is leaving no stone unturned to guarantee a process that is as transparent as it is precise. On the very first day of checking, Dr. Sharma took charge of the front lines, personally conducting intensive inspections of various evaluation centers to set a standard of excellence from the top down.

In an era where technology is the ultimate watchman, the board is keeping a "hawk-eyed" vigil from its high-tech surveillance room at the headquarters. Dr. Sharma utilized this digital nerve center to monitor activities across the state in real-time, bridging the gap between the office and the field. This wasn't just a silent observation; he engaged in direct digital dialogues with teachers and staff on the ground, ensuring that every gear in the administrative machine was turning smoothly and that those in the trenches felt the weight of their responsibility.

When it comes to the future of students, Dr. Sharma made it clear that "confidentiality is not a choice, but a mandate." He reminded evaluators that they hold the scales of justice in their hands, urging them to work with an unwavering sense of integrity so that every student receives the marks they truly deserve. With the clock ticking, he emphasized that speed must never come at the cost of accuracy, demanding a flawless performance within the set deadlines.

The board's message is loud and clear: they are adopting a "zero tolerance" policy toward errors and negligence. By blending human expertise with digital oversight, the HP Board is proving that they are not just checking papers, but are safeguarding the sanctity of education. As the saying goes, "sunlight is the best disinfectant," and through this wave of transparency, the board is ensuring that the final results will be a true and fair reflection of student merit.